मेला मेरे श्याम का

अब ना प्यारे वक़्त है आराम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का, श्याम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का.....

श्याम ध्वजा जो लहराए प्रेमी सारे झूम उठे,
श्याम तरंग ऐसी छाई सब खाटू की और चले ,
मौसम है ये चंग और धमाल का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का, श्याम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का.....

ठंडी ठंडी पवन चली फागण की रुत आई है,
लगता है कि बाबुल के घर से चिट्ठी आई है,
आता है सपना भी अब तो खाटू धाम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का, श्याम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का.....

मेले पर मेरा सांवरिया जी भर प्रेम लुटाता है,
लूट लो जितना जी चाहे ये मौका कब आता है,
चढ़ने लगा है राज नशा श्याम नाम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का, श्याम का,
आ गया लो मेला मेरे श्याम का.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30736/title/mela-mere-shyam-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |